

# ACHARYA SHREE SURENDRASURISHWARJI JAIN TATVA GYANSHALA

12, SHREYANSNATH SOCIETY, B/H DHARNIDHAR TEMPLE,  
GODAVARI ROAD, VASANA, AHMEDABAD-7

## Book Issue Slip

Member No. : 3013

Mobile Number : 9426593189

Receipt No. : A2795

Member Name : मितेश जसवंतलाल शाह

Total Issued : 5772

Address : 43, नवकार फ्लेट, बेरेज रोड, वासणा

Issue Date : 06/05/2024

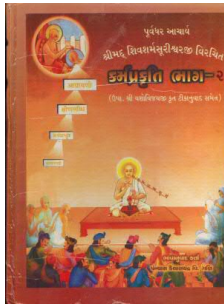
Last Date : 04/08/2024

| Sr No. | Vargank No. | Kruti Name                                                         |
|--------|-------------|--------------------------------------------------------------------|
| 1      | AM02081     | त्रिषष्टिशलाका पुरुष चरित्रम् पूर्व-10मुं महावीर स्वामी आदी चरित्र |
| 2      | AA02240     | कर्मप्रकृति भावानुवाद भाग-2                                        |
| 3      | AB04886     | शब्दरत्नमहोदधि (भाग-1, अजोड संस्कृत गुजराती शब्दकोश)               |
| 4      | AB04887     | शब्दरत्नमहोदधि भाग-2 (अजोड सं. गु., शब्दकोश)                       |
| 5      | AB04888     | शब्दरत्नमहोदधि (भाग-3, अजोड संस्कृत गुजराती शब्दकोश, म थी ह)       |
| 6      | AA00028     | कर्मप्रकृति भावानुवाद भाग-2                                        |
| 7      | AC11141     | कर्मप्रकृति पदार्थो भाग-2                                          |
| 8      | AC11140     | कर्मप्रकृति पदार्थो भाग-2                                          |

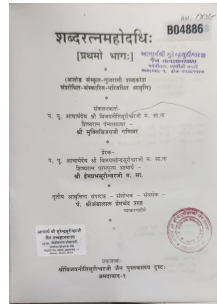
AM02081



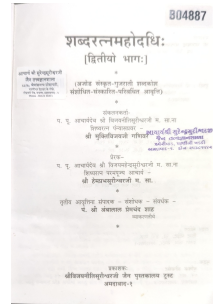
AA02240



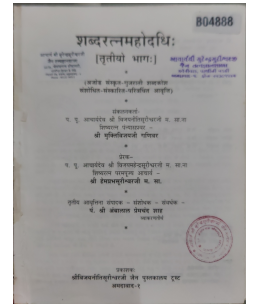
AB04886



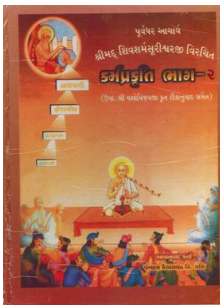
AB04887



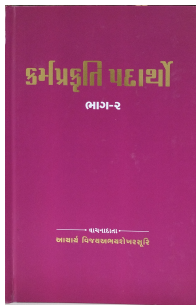
AB04888



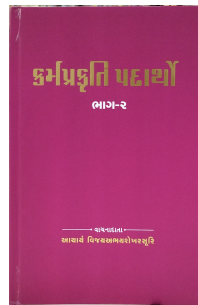
AA00028



AC11141



AC11140



**Notes :** AM02081, AA02240, AB04886, AB04887, AB04888, AA00028, AC11141, AC11140 - मौनरसाश्रीजी म.सा. (पं. अभिशेखभाई)

AA - A Size Books, वासणा ज्ञानभंडार, अमदावाद, AB - B Size Books, वासणा ज्ञानभंडार, अमदावाद, AC - C Size Books, वासणा ज्ञानभंडार, अमदावाद, AM - प्रत विभाग, वासणा ज्ञानभंडार, अमदावाद

Book Received By

Book Issue By

संस्थाना नियमो :

- 1) संस्थाना पुस्तको फक्त मेम्बरने ज आपवामां आवशे.
- 2) पुस्तक 90 दिवसमां परत करवानुं रहेशे, कदाच वधारे समय राखवानुं थाय तो 90 दिवस बाद रिन्नु कराववु अनिवार्य छे.

3) पुस्तक फाटी के खोवाय जाय तो वाचके संस्था नक्की करे तेटलो दंड भरवानो रहे शे. दंडनी रकम पुस्तकनी छापेली किमत करता बधु होई शके छे.